Two friends and a Bear

Two friends, Ramu and Shyam walked through a forest. They promised each other that they would remain united in case of any danger. Once they were walking through a forest. A bear came on their way. Ramu climbed a tree. Shyam did not know how to climb a tree. He told his friend, "I do not know how to climb a tree, please help me." But Ramu did not respond. In fear and grief, Shyam lay down on the ground breathless.

The bear came near the man lying on the ground. It smelt in his ears, and slowly left the place, because bears do not touch dead creatures. After the bear left, Ramu came down from the tree and asked his friend Shyam, "Friend, what did the bear tell you into your ears?" Shyam replied, "The bear advised me not to trust a friend who leaves you in times of trouble to save himself." Saying this Shyam walked in own way, leaving Ramu alone in the forest.

दो दोस्त और एक भालू

रामू और श्याम, दो दोस्त थे। उन्हो ने एक दूसरे से वादा किया था कि वे किसी भी खतरे में साथ रहेंगे। एक दिन वे एक जंगल से जा रहे थे। सामने से एक भालू आया। भालू को देखकर दोनो दोस्त बहुत डर गये। रामू डर के मारे पेड़ पर चढ़ गया। श्याम को पेड़ पर चढ़ना नही आता था। वह अपने मित्र रामू को बोला, "मुझे पेड़ पर चढ़ना नही आता है। कृपया मेरी मदद करो ।" पर रामू ने कोई जवाब नही दिया। दुःखी और मायूस होकर श्याम जमीन पर अपनी साँस रोक कर लेट गया।

जल्द ही वहाँ भालू आ पहुँचा। जमीन पर लेटे श्याम को देखकर उसके पास गया और उसे सूँघने लगा। कुछ देर सूँघने के बाद वह श्याम को वहीं छोड़कर चला गया। पेड़ पर बैठे रामू को लगा कि भालू श्याम को कान मे कुछ बोलके गया। वह जल्दी से नीचे आया और श्याम से पूछा, "दोस्त मेरे, वह भालू तुम्हारे कान में क्या बोला?" श्याम जमीन से उठा, और रामू को बोला, "वह भालू मुझे बोला कि झूठे और स्वार्थी लोगो पर भरोसा मत करो जो तुमको मुसीबत में अकेला छोड़के चला जाए।" इतना कहके श्याम वहाँ से अकेले चल दिया।